

प्रेषक,

ओ०पी०तिवारी,  
उप सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

राज्य परियोजना निदेशक,  
उत्तराखण्ड सभी के लिये शिक्षा परिषद्,  
मयूर विहार, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1 (बेसिक)

देहरादून: दिनांक: ०५ मई, 2009

विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-2010 के 04 माह (अप्रैल, 2009 से जुलाई, 2009 तक) के वेतनादि भुगतान हेतु धनराशि अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-205/XXVII(1)/2009, दिनांक 25.03.2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु (अप्रैल, 2009 से जुलाई, 2009 तक) बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं पर व्यय हेतु संलग्नक-01 एवं 02 में उल्लिखित विवरणानुसार आयोजनागत पक्ष अनुदान संख्या-11 में, रु० 532100 हजार (रुपये तिरपन करोड़ इक्कीस लाख मात्र) अनुदान संख्या-30 में रु० 144714 हजार (रुपये चौदह करोड़ सैतालीस लाख चौदह हजार मात्र) एवं अनुदान संख्या-31 में रु० 4667 हजार (रुपये छियालीस लाख सरसठ हजार मात्र) की धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ आपके निर्वर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि आहरण वितरण अधिकारी बचनबद्ध मदों पर ही व्यय करेंगे। उक्त मदों से भिन्न मदों में व्यय हेतु धनराशि के आहरण के प्रस्ताव पूर्ण औचित्य के साथ वित्त विभाग की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किये जायेंगे। धनराशि का आहरण/व्यय मासिक फेजिंग के आधार पर किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

2. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल चालू योजनाओं पर ही नियोजन विभाग द्वारा आवंटित परिव्यय की सीमा तक ही किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष की नई मदों के कार्यान्वयन हेतु नहीं

3.11.1

किया जायेगा। उक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा -

- (1) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त हो जायेगी।
- (2) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुवल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (3) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिये कदापि न छोड़ी जाय।
- (4) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्याधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाय।
- (5) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों की विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
- (6) व्यय संबंधी जो भी बिल कौषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये। उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।
- (7) केन्द्रपोषित योजनाओं के राज्यांश की धनराशि केन्द्रांश प्राप्त होने के उपरान्त जारी की जायेगी। जिन केन्द्रीय योजनाओं हेतु सैद्धान्तिक सहमति प्राप्त है अथवा केन्द्र सरकार की बचनबद्धता परिलक्षित होती है, ऐसी योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ करने के लिय वित्त विभाग की सहमति उपरान्त अग्रिम के तौर पर आंशिक वित्तीय स्वीकृति जारी की जा सकती है।
- (8) अवशेष धनराशि की जिलावार फॉट एवं अनुदान संबंधी योजनाओं के गत वर्ष स्वीकृत धनराशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र इसी माह के अन्त तक शासन को प्रस्तुत कर दिये जाये, तभी अवशेष धनराशि की स्वीकृत निर्गत किया जाना सम्भव होगा।
- (9) स्वीकृत धनराशि की जिलावार फॉट संबंधित जिलों एवं शासन को तीन दिन के भीतर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

3. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-01-प्रारम्भिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित संबंधित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।



4.

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-51(P) / वित्त अनुभाग-3/2007, दिनांक 29 अप्रैल, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,

(ओ०पी०तिवारी)  
उप सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105, इन्द्रानगर, देहरादून।
3. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
4. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक), उत्तराखण्ड (राज्य परियोजना निदेशक के माध्यम से)
5. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3।
7. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(ओ०पी०तिवारी)  
① उप सचिव।

शासनादेश संख्या-495/XXIV(1)/2008-50/2008 दिनांक 15 मई, 2009  
का संलग्नक

## अनुदान संख्या-11

लेखाशीर्षक		(धनराशि हजार रुपये में)
राजस्व लेखा		आयोजनागत
2202-	सामान्य शिक्षा	
01-	प्रारम्भिक शिक्षा	
101-	राजकीय प्राथमिक विद्यालय	
01-	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएं	
0102-	विद्यालयों में पका-पकाया भोजन उपलब्ध कराया जाना	
20-	सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	359163
	योग:-101	359163
102-	अराजकीय प्राथमिक विद्यालयों को सहायता	
01-	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएं	
0101-	राष्ट्रीय साक्षरता कार्यक्रम (2/3 केन्द्र पोषित)	
20-	सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	6270
	योग:-102	6270
800-	अन्य व्यय	
01-	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएं	
0104-	सर्व शिक्षा अभियान (50% राज्यांश)	
20-	सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	166667
	योग:-800	166667
	महायोग:-	532100

(रुपये तिरपन करोड़ इक्कीस लाख मात्र)

(ओ०पी०तिवारी)  
उप सचिव।

संलग्नक-02

अनुदान संख्या-30

(धनराशि हजार रुपये में)

लेखाशीर्षक	आयोजनागत
राजस्व लेखा	
2202- सामान्य शिक्षा	
01- प्रारम्भिक शिक्षा	
101- राजकीय प्राथमिक विद्यालय	
01- केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ	
0101- विद्यालयों में पका-पकाया भोजन उपलब्ध कराया जाना	
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	66667
योग:-	66667
800- अन्य व्यय	
01- केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ	
0101- सर्व शिक्षा अभियान (25%राज्यांश)	
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	78047
योग:-	78047
महायोग (अनुदान संख्या-30)	144714

(रुपये चौदह करोड़ सैंतालीस लाख चौदह हजार मात्र)

अनुदान संख्या-31

लेखाशीर्षक	आयोजनागत
राजस्व लेखा	
2202- सामान्य शिक्षा	
01- प्रारम्भिक शिक्षा	
101- राजकीय प्राथमिक विद्यालय	
01- केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ	
0101- विद्यालयों में पका-पकाया भोजन उपलब्ध कराया जाना	
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	1800
योग:-	1800
800- अन्य व्यय	
01- केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ	
0101- सर्व शिक्षा अभियान (25%राज्यांश)	
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	2867
योग:-	2867
महायोग (अनुदान संख्या-31)	4667

(रुपये छियालीस लाख सड़सठ हजार मात्र)

(ओ०पी०तिवारी)

उप सचिव।